

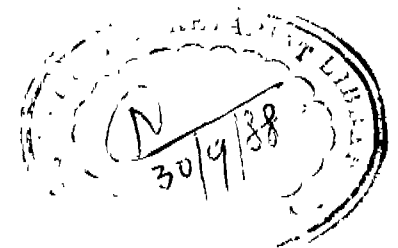


# भारत का राजपत्र The Gazette of India

वसाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 128]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 18, 1988/फाल्गुन 28, 1989

No. 128]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 18, 1988/PHALGUNA 28, 1989

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

उद्योग मंत्रालय  
(औद्योगिक विकास विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 मार्च, 1988

सा.का.नि.—356(घ).—केन्द्रीय सरकार, आवश्यक वस्तु अधि-  
नियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का  
प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम  
विद्युत साधित्र (क्वालिटी नियंत्रण) आदेश, 1988 है।

(2) यह आदेश, इससे गलान अनुसूची में क्रम सं. 1 में 4 पर  
वर्णित विद्युत साधित्रों के लिए, 1 जुलाई, 1988 को और उक्त अनुसूची  
में क्रम सं. 5 से 7 पर वर्णित विद्युत साधित्रों के लिए, 1 सितम्बर, 1988  
को लागू होगा।

2 परिभाषाएँ—इस आदेश में जब तक कि संदर्भ से अन्वयात् अपेक्षित  
न हो:

(क) "समुचित प्राधिकारी" से औद्योगिक विकास विभाग या नागरिक  
पुति विभाग का कोई अधिकारी जो निदेशक की पक्ति से

नीचे का न हो या राज्य सरकार का उद्योग निदेशक या इ।  
आदेश के उपबन्धों को कार्यान्वित करने के लिए केन्द्रीय  
सरकार या राज्य सरकारों या भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा  
नियुक्त समस्तुय पंक्ति का कोई अन्य अधिकारी अभिप्रेत है।

(ख) "ब्यूरो" से भारतीय मानक ब्यूरो अभिप्रेत है।

(ग) विद्युत साधित्रों के समूह से "व्यवहारी" से अभिप्रेत है, वह  
व्यक्ति, फर्म या हिन्दू अधिमन्त कुटुम्ब या प्रत्यक्ष रूप से या  
अन्वयात्, किसी ऐसे साधित्र का परीक्षण, उसका विक्रय  
करने, प्रदाय करने या वितरण करने का कारबार, चाहे वह  
नकद या आन्वयित संशय के लिए हो या कामगार, पारिवारिक  
या अन्य मूल्यवान् प्रतिकर के लिए हो, चलाना है;

(घ) "विद्युत साधित्र" से अनुसूची के मन्त्र (2) में विनिर्दिष्ट  
विद्युत साधित्र अभिप्रेत है;

(ङ) विद्युत साधित्रों के समूह से "विनिर्माता" से अभिप्रेत है वह  
व्यक्ति, फर्म या हिन्दू अधिमन्त कुटुम्ब या, ऐसे किसी साधित्र  
का उत्पादन करता है, बनाता है, संभाल करता है या वितरित  
करता है और उनके अन्वयित ऐसा व्यक्ति या फर्म या हिन्दू

अविभक्त कुटुम्ब भी है जो, यथास्थिति, ऐसे व्यक्ति या फर्म या हिन्दी अविभक्त कुटुम्ब द्वारा ऐसे विद्युत साधनों का उत्पादन करने, बनाने, समंजन करने या निर्माण करने का दावा करता है;

- (ब) "अनुसूची" में एक आदेश में उपाखण्ड अनुसूची अभिप्रेत है,
- (छ) अनुसूची के स्तम्भ (2) में उल्लिखित किसी विद्युत साधन के संबंध में "विनिर्दिष्ट मानक" में उक्त अनुसूची के स्तम्भ (3) की कक्षाओं प्रविष्टि में यथा विनिर्दिष्ट मानक अभिप्रेत है,
- (ज) "मानक चिह्न" में किसी विनिर्दिष्ट भारतीय मानक को स्वीकृति देने के लिए, ब्यूरो द्वारा विनिर्दिष्ट भारतीय मानक रूपों प्रमाणित चिह्न अभिप्रेत है और उसके अन्तर्गत भारतीय मानक संस्था द्वारा विनिर्दिष्ट कोई भारतीय मानक संस्था प्रमाणित चिह्न भी है
- (झ) "राज्य सरकार" के अन्तर्गत संघ राज्य-क्षेत्र प्रशासन भी है।

3 अनुसूची के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट विद्युत साधनों के विनिर्माण, विनियम आदि के संबंध में प्रविष्टि:

- (1) कोई व्यक्ति स्वयं या उसकी ओर से कोई अन्य व्यक्ति ऐसे विद्युत साधन का विनिर्माण या विक्रय के लिए भंडार, विनियम या वितरण नहीं करेगा जो विनिर्दिष्ट मानक के अनुरूप नहीं है और यह ब्यूरो के मानक चिह्न के अनुरूप होगा:

परन्तु इस आदेश की कोई बात किसी ऐसे विद्युत साधन के नियमित सम्बंध में लागू नहीं होगी जो विनिर्दिष्ट मानक के अनुरूप नहीं है किन्तु शिर्षी केन्द्र द्वारा अपेक्षित किसी निदेश के अनुरूप है और ऐसा निदेश किसी भी दशा में विनिर्दिष्ट मानक से कम नहीं होगा।

- (2) ऐसे अधोमानक या तृतीयपूर्ण विद्युत साधनों या कच्चा सामग्री या संघटक को, जो विनिर्दिष्ट मानक के अनुरूप नहीं है, उत्पादन में परे विरूपित कर दिया जाएगा और उनका रसद के रूप में निपटारा कर दिया जाएगा।

4 विनिर्माताओं की प्रमाणीकरण:—(1) अनुसूची के स्तम्भ (2) में दक्षित विद्युत साधनों के सभी विनिर्माता, इस आदेश के जारी होने के 45 दिन के भीतर ब्यूरो को मानक चिह्न का उपयोग करने के लिए अनुज्ञप्ति प्राप्त करने हेतु आवेदन करेंगे।

(2) मानक चिह्न के उपयोग के लिए ब्यूरो द्वारा अनुज्ञप्ति की मंजूरी भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986 और उसके अधिनियम बनाए गए नियमों और विनियमों के उपबन्धों के अनुरूप होगी।

(3) जहां कोई व्यक्ति स्वयं या उसकी ओर से कोई अन्य व्यक्ति अनुसूची के स्तम्भ (2) में दक्षित विद्युत साधनों की विनिर्माण करने का प्रस्ताव करता है, बहा यह उत्पादन प्रारम्भ करने से पूर्व, 45 दिन के भीतर ब्यूरो को आवेदन करेगा और इस आदेश के प्रवृत्त होने के पूर्व अनुज्ञप्ति अभिप्राप्त करेगा।

(4) अनुसूची के स्तम्भ (2) में दक्षित विद्युत साधनों में से किसी एक या अधिक के लिए किसी अनुज्ञप्ति की समाप्ति/रद्दकरण पर या ब्यूरो द्वारा आवेदन लेता बन्द करने पर अन्य समुचित अधिकारी का भी सूचित किया जाएगा।

5. भंडारकरण, विक्रय और वितरण का प्रतिबंध:—कोई भी व्यक्ति स्वयं या उसकी ओर से वाय करत हुए कोई अन्य व्यक्ति अनुसूची के स्तम्भ (2) में दक्षित किसी ऐसे विद्युत साधन का विक्रय के लिए भंडार, विक्रय या वितरण नहीं करेगा जिस पर ब्यूरो का मानक चिह्न नहीं लगा है और जिसका किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा विनिर्माण नहीं

किया गया है जिसने इस प्रयोजन के लिए कोई प्रमाण चिह्न अनुज्ञप्ति अभिप्राप्त कर ली है।

6. जानकारी आदि मांग ने की शक्ति:—समुचित प्राधिकारी इस आदेश का अनुशासन सुनिश्चित करने की दृष्टि से—

(क) किसी विद्युत साधन के विनिर्माण करने, विक्रय करने, विनियम के लिए भंडार करने, विक्रय या वितरण में लगे किसी व्यक्ति से यहाँ अपेक्षा कर सकेगा कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जैसा वह किसी विद्युत साधन के विनिर्माण करने, विक्रय के लिए भंडार करने, विक्रय या वितरण के संबंध में आवश्यक समझे या जहां वह इस आदेश के क्रियान्वयन के लिए आवश्यक समझे या किसी व्यक्ति से किसी विद्युत साधन के नमूने या किसी विद्युत साधन के संघटक देने की अपेक्षा कर सकेगा;

(ख) किसी घरेलू विद्युत साधन के विनिर्माण करने, विक्रय के लिए भंडार करने, विक्रय या वितरण में लगे किसी व्यक्ति द्वारा रखी गई या उतारी या उसके कब्जे या नियंत्रण के अधीन किसी पुस्तकों या अथ दस्तावेजों या किसी साधन या किसी विद्युत साधन के संघटकों का निरीक्षण कर सकेगा या करवा सकेगा,

(ग) खण्ड (4) के अधीन प्राधिकृत किसी अधिकारी से किसी परिसर में प्रवेश और तलाशी करवा सकेगा और किसी विद्युत साधन का, जिसके बारे में उसके पास विश्वास करने का कारण है कि इस आदेश का उल्लंघन हुआ है या वह विनिर्दिष्ट मानक का नहीं है, अभिग्रहण कर सकेगा;

(घ) तलाशी और अभिग्रहण में संबंधित खंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 100 के उपबन्ध जहाँ तक संभव हो, इस खंड के अधीन तलाशी और अभिग्रहण को लागू होंगे।

7. नमूने का परीक्षण: किसी ऐसे विद्युत साधन के नमूने का यह अभिनिर्दिष्ट करने के लिए जिस पर मानक चिह्न लगा है और जिसे समुचित प्राधिकारी द्वारा निराला गया है कि वह विनिर्दिष्ट मानक का है या नहीं, ब्यूरो द्वारा अनुमोदित प्रयोगशाला में और ब्यूरो द्वारा यथा अवधारित रीति में परीक्षण किया जाएगा।

8. शक्तियों का प्रत्यायोजन: समुचित प्राधिकारी, लिखित रूप में किसी साधारण या विशेष आदेश द्वारा, इस आदेश के अधीन अपने निमित्त अपने सभी या किसी कृत्यों का प्रयोग करने के लिए पैरा 2 के खंड (क) में विनिर्दिष्ट किसी अधिकारी का प्राधिकृत कर सकेगा: परन्तु कोई भी ऐसा अधिकारी जो राजपत्रित पद का नहीं है और ब्यूरो की दशा में जो राजपत्रित अधिकारी की पद के समतुल्य नहीं है पैरा 6 के खंड (ग) के अधीन तलाशी और अभिग्रहण की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए समुचित प्राधिकारी द्वारा प्राधिकृत नहीं किया जाएगा।

9. विनिर्माताओं और व्यवहारियों का निर्देश जारी करने की शक्ति: समुचित प्राधिकारी, विनिर्माताओं और व्यवहारियों को इस आदेश के उपबन्धों में सगत ऐसे निर्देश जारी कर सकेगा या जो इस आदेश के प्रयोजनों को पूरा करने के लिए आवश्यक है।

10. निर्देशों का अनुशासन:—किसी विद्युत साधन के विनिर्माण विक्रय के लिए भंडार करने, विक्रय या वितरण में लगे हुआ प्रत्येक व्यक्ति, जिसे इस आदेश के अधीन कोई निर्देश जारी किया जाता है, ऐसे निर्देश का पालन करेगा।

11. सूचना देने की बाध्यता:—कोई भी विनिर्माता या व्यवहारी इस आदेश के उपबन्धों से बचने के आशय से, खंड 6 के अधीन उसने विधिपूर्वक मांगी गई सूचना देने से इंकार नहीं करेगा। ऐसे व्यक्ति द्वारा रखे गये या ऐसे व्यक्ति के कब्जे या नियंत्रण में किसी चिह्न या दस्तावेज या अनुसूची के स्तम्भ (2) में दक्षित किसी विद्युत साधन को न छिपाया न नष्टकरी न बिड़ल करेगा और न विरूपित करेगा।

12. शास्ति :— कोई भी व्यक्ति, जो इस आदेश के किसी उपबन्धों का उल्लंघन करेगा, या उनके अधीन किए गए किसी निवेश या अध्ययन का पूरा करने में असफल रहेगा, वह दंडनीय होगा और वह संपत्ति, जिसकी वास्तव आदेश का उल्लंघन हुआ है, आवश्यक बन्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 7 के अधीन सम्पत्ति विनष्ट या संपत्ति होगी।

13. अपील :— (1) समुचित प्राधिकारी के किसी विनिश्चय से व्यक्ति कोई विनिर्माता या व्यवहार, ऐसे विनिश्चय की संशुद्धि देने वाले आदेश की प्राप्ति की तारीख से 30 दिन के भीतर केन्द्रीय सरकार का लिखित रूप में अपील कर सकेगा।

परन्तु केन्द्रीय सरकार पूर्वोक्त अधिनियम की समाप्ति के पश्चात् भी कोई अपील स्वीकार कर सकेगी यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि सगव के भीतर अपील फाइल करने में अपेक्षार्थी पर्याप्त कारणों से निवारित हो गया था।

(2) उपखण्ड (1) के अधीन अपील की प्राप्ति पर, केन्द्रीय सरकार अपीलार्थी का सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् ऐसा आदेश पारित कर सकेगा जैसा वह ठीक समझती है।

#### विद्युत साधनों की अनुसूची

क्रम सं.	विद्युत साधन	मानक
1	2	3
1. विद्युत निष्पन्न जल तापक		भा. मा. 368
2. विद्युत आश्चर्य		भा. मा. 366
3. विद्युत स्टोव		भा. मा. 2994
4. विद्युत रेडियो		भा. मा. 369
5. घरेलू और समरूप प्रयोजनों के लिए स्विच		भा. मा. 3854
6. घरेलू और समरूप प्रयोजनों के लिए 2 ए एम पी स्विच		भा. मा. 4949
7. 3 पिन प्लग और साफ्ट-निर्गम		भा. मा. 1293

[का. सं. 9/7/87 - वि. उद्यो.]

#### MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 18th March, 1988

G.S.R. 356 (E) :—In exercise of Powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order, namely :—

1 Short title and commencement :—(1) This Order may be called the Electrical Appliances (Quality Control) Order, 1988.

(2) It shall come into force on the 1st day of July, 1988, for electrical appliances mentioned at

Serial Nos. 1 to 1 in the Schedule attached to this Order and on the 1st day of September, 1988, for electrical appliances mentioned) at Serial Nos. 5 to 7 in the said Schedule.

2. Definitions : In this Order, unless the context otherwise requires :

- 'Appropriate Authority' means any officer not below the rank of Director in the Department of Industrial Development or Civil Supplies or Director Industries of the State Government or any other officer of equivalent rank appointed by the Central or the State Governments or the Bureau of Indian Standards to implement the provisions of this order;
- 'Bureau' means Bureau of Indian Standards;
- 'dealer' in relation to electrical appliances means a person who or a firm or a Hindu undivided family which, carries on, directly or otherwise, the business of buying, selling, supplying or distributing any such appliance, whether in cash or for deferred payment or for commission, remuneration or other valuable consideration;
- 'Electrical Appliances' means the electrical appliances specified in column (2) of the Schedule;
- 'manufacturer' in relation to electrical appliances means a person who, or a firm or a Hindu undivided family which, produces, makes, assembles or manufactures any such appliances and includes a person who or a firm or Hindu undivided family which claims such appliances to be produced, made assembled or manufactured by such person or firm or Hindu undivided family, as the case may be;
- 'Schedule' means the Schedule annexed to this Order;
- 'specified standard', in relation to an electrical appliance mentioned in column (2) of the Schedule, means the standard as specified in the corresponding entry in column (3) of the said Schedule;
- 'Standard Mark' means the Bureau of Indian Standards Certification Mark specified by the Bureau to represent a particular Indian Standard and also includes any Indian Standards Institution Certification Mark specified by the Indian Standards Institution;
- 'State Government' includes a Union Territory Administration.

3. Prohibition regarding manufacture, sale etc of electrical appliances specified in column (2) of the Schedule :—(1) No person shall by himself or by any person on his behalf manufacture or store for sale, sell or distribute any Electrical Appliance which

does not conform to the specified standard and it shall be with Standard Mark of the Bureau. Provided that nothing in this Order shall apply in relation to export of Electrical Appliances which do not conform to the specified standard but conform to any specification required by the foreign buyer and such specification shall not in any case be less than the specified standard.

(2) The sub-standard or defective electrical appliances or raw-material or components which do not conform to the specified standard shall be deformed beyond use and disposed of as scrap.

1. Certification of manufacturers :—(1) All manufacturers of electrical appliances shown in Column (2) of the Schedule shall make an application to the Bureau for obtaining licence for use of the standard mark, within 15 days of the issue of this Order.

(2) The grant of licence by the Bureau for use of the Standard Mark shall be as per provisions under the Bureau of Indian Standards Act, 1986, and the Rules and Regulations framed, thereunder.

(3) When any person himself or by any person on his behalf proposes to manufacture electrical appliances shown in column (2) of the Schedule, he shall make an application to the Bureau within 15 days of commencement of production and obtain licence before the coming into force of this Order.

(4) Consequent to the lapsing/cancellation of any licence or closure of application by the Bureau for one or more of the electrical appliances shown in column (2) of the Schedule, other Appropriate Authority shall also be intimated.

5. Prohibition of storage, sale and distribution :—No person shall himself or by any person acting on his behalf store for sale, sell or distribute any electrical appliance shown in column (2) of the Schedule which does not bear the Standard Mark of the Bureau and manufactured by a person who has obtained a Certification Mark Licence for the purpose.

6. Power to call for information etc :—The Appropriate Authority may with a view to securing compliance with this Order :—

(a) require any person engaged in the manufacture, storage for sale, sale or distribution of any electrical appliance to give such information as it deems necessary in relation to the manufacture, storage, for sale, sale or distribution of any electrical appliance for the implementation of this order or require any such person to furnish to it samples of any electrical appliance or any component of any electrical appliance,

(b) inspect or cause to be inspected any books or other documents or any electrical appliance or the components of any electrical appliance kept by or belonging to or in the possession or under the control of any person engaged in the manufacture,

storage for sale, sale or distribution of any electrical appliance;

(c) cause an officer authorised under clause (9) to enter and search any premises and seize any electrical appliance in respect of which it has reason to believe that a contravention of this order has been committed or the said electrical appliance is not of the specified standard.

(d) the provisions of section 100 of the Code of Criminal Procedure 1973 (2 of 1974) relating to search and seizure shall so far as may apply to searches and seizure under this clause.

7. Testing of samples :—Samples of any electrical appliance bearing the Standard Mark and drawn by the Appropriate Authority, for ascertaining whether it is of the specified standard, shall be tested in the laboratory approved by the Bureau and in the manner as determined by the Bureau.

8. Delegation of Powers :—The Appropriate Authority may by general or special order in writing authorise any officer specified in clause (a) of paragraph 2 to exercise on its behalf all or any of its functions under this Order : Provided that no officer who is not of a Gazetted rank, and in the case of Bureau who is not of a rank equivalent to gazetted officer, shall be authorised by the Appropriate Authority to exercise the powers of search and seizure under clause (c) of paragraph 6.

9. Power to issue direction to manufacturers and dealers :—The Appropriate Authority may issue such directions to manufacturers and dealers, consistent with the provisions of this Order, as may be necessary in carrying out the purposes of this Order.

10. Compliance of directions :—Every person engaged in the manufacture, storage for sale, sale or distribution of any electrical appliance, to whom any direction is issued under this Order, shall comply with such direction.

11. Obligation to furnish information :—No manufacturer or dealer shall with intent to evade the provisions of this Order, refuse to give any information lawfully demanded from him under clause 6 or conceal, destroy, mutilate or deface any books or documents or any electrical appliance shown in column (2) of the Schedule kept by such person or in the possession or control of such person.

12. Penalty :—Any person who contravenes any of the provisions of this Order or fails to carry out any direction or requisition made there under shall be punishable and the property in respect of which the order has been contravened, shall be liable to forfeiture under Section 7 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955).

13. Appeal :—(1) Any manufacturer or dealer aggrieved by any decision of the Appropriate Authority may prefer an appeal in writing to the Central

Government, within 30 days from the date of receipt by him of the copy of the Order Communicating such decision :

Provided that the Central Government may admit any appeal after the expiry of the period aforesaid if it is satisfied that the appellant was prevented sufficient cause from filing the appeal in time.

(2) On receipt of the appeal under sub-clause (1), the Central Government may, after giving the appellant an opportunity of being heard, pass such order as it may deem fit.

[F. No. 9/7/87-El. Ind.]

#### SCHEDULE OF ELECTRICAL APPLIANCES

Sl. No.	Electrical Appliances	Standard
1.	Electric Immersion Water Heaters	IS : 368
2.	Electric Irons	IS : 366
3.	Electric Stoves	IS : 2994
4.	Electric Radiators	IS : 369
5.	Switches for domestic and similar purposes	IS : 3854
6.	2 Amp switches for domestic and similar purposes.	IS : 4949
7.	3 Pin plugs and sockets outlets	IS : 1293

[F. No. 9/7/87-EP. Ind.]

#### आदेश

सा. का. नि. 357(प्र) :- केन्द्रीय सरकार, आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदेश सं. का. आ 797(प्र) तारीख 12 नवम्बर 1981 का संशोधन करती है, अर्थात् :-

1. इस आदेश का संक्षिप्त नाम श्रेष्ठ विद्युत साधित्र (स्वालिटी नियंत्रण) संशोधन आदेश, 1988 है।

2. श्रेष्ठ विद्युत साधित्र (स्वालिटी नियंत्रण) आदेश, 1981 में कम सं. 1, 3, 8 और 9 पर मदों का (1 जुलाई 1988 से) और कम सं. 16, 34 तथा 36 पर मदों का (1 मिनम्बर, 1988 से) लोप किया जाएगा।

[फा सं. 9/7/87 - वि. उद्यो.]

#### \* ORDER

G.S.R. 357 (E) :- In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby amends the Order No. SO 797 (E) dated the 12th November, 1981, viz :-

1. This Order may be called the Household Electrical Appliances (Quality Control) Amendment Order, 1988.

2. In the Schedule to the Household Electrical Appliances (Quality Control) Order, 1981, items at Serial No. 1, 3, 8 and 9 (with effect from 1st July, 1988) and items 16, 34 and 36 (with effect from 1st September, 1988) shall be omitted.

[F. No. 9/7/87-El. Ind.]

#### अधिसूचना

सा. का. नि. 358(प्र) :- केन्द्रीय सरकार, आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. सा. का. नि. 375(प्र) तारीख 8 अप्रैल, 1987 को विरुद्धित करती है।

[फा. सं. 9/7/87 - वि. उद्यो.]

पी. सिन्हा, संयुक्त सचिव

#### NOTIFICATION

G.S.R. 358 (E) :- In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby rescinds the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. G. S. R. 375 (E), dated the 8th April, 1987.

[F. No. 9/7/87-El. Ind.]

P. SINHA, Jt. Secy.

